

न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी कोटा

फर्द अहकाम

बनाम.....

रजिस्टर नम्बर मुकदमा:-

मिसल न०

सन्

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स अज	अहकाम जो किस हुकम की तारीख में जारी हुए
10/1/25	<p>अधिवक्तागण रजि० पत्रावली पूर्व आदेशानुसार जारी बरस दिनांक 17/1/25 को पेश हैं।</p> <p style="text-align: center;"><i>(Handwritten Signature)</i> राजस्व अपील प्राधिकारी कोटा</p>	<p><i>(Handwritten Signature)</i> राजस्व अपील प्राधिकारी कोटा</p>
17/1/25	<p>अधिवक्ता मपीलांउ उपरि-नर। मपीलांउ नम्बर ॥ जिमवाई ३ वामधनीवाई ५॥ शरीर ५॥ मुकमे ५॥ ममयवाई ५॥ शीतु श्वरं उपरि-नर। मपीलांउग। ने अरिसे अधिवक्ता उल्लेख पत्र कपीट विद्ने किने आने हेतु पेश किया। मपीलांउग। ने अरिसे अधिवक्ता उल्लेख पत्र अस्तुत कर निवेदन किया कि उक्त कपीट में मपीलांउग। व शरीरकेत के मध्य आपसी सहमति से शरीरनाम हो गया है। मपीलांउग। ने निवेदन किया कि पसलानक के मध्य आपसी सहमति से शरीरनाम हो जाने के कारण मपीलांउग। उक्त कपीट को जारी रखना नहीं चाहते हैं तथा उक्त कपीट को विद्ने करना चाहते हैं। न्यायविद्ने में उक्त कपीट को विद्ने किया आवे। मपीलांउग। की पहचान उनके अधिवक्ता श्री श्रीम अजय नगर इस की गई। मपीलांउग। इस अस्तुत उल्लेख पत्र कपीट को विद्ने किने आने हेतु न्यायविद्ने में स्वीकृत किया आकर मपीलांउग। इस अस्तुत कपीट को रत विद्ने किने आने से शरीरनाम की जाती है। उल्लेख पत्र शरीरनाम सिद्ध है। पत्रावली का निम्न बरिखत रकम हो व नम्बर से कत है।</p> <p style="text-align: center;"><i>(Handwritten Signature)</i> राजस्व अपील प्राधिकारी कोटा</p>	<p><i>(Handwritten Signature)</i> राजस्व अपील प्राधिकारी कोटा</p> <p><i>(Handwritten Signature)</i> श्रीम अजय नगर</p>